(घ) क्या सरकार इस मामले की जांच करा कर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही करेगी, और

(ङ) इस बारे मे पूरा ब्यौरा क्या है ?

इस्पात और खान मंत्री (श्री बीजू पटनायक) : (क) जी, नही । यह सही नही है कि हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कन्स्ट्रक्शन लि०, भिलाई ने भारत इजीनियरिंग वर्क्स, बी० के० इजीनियरिंग कारपोरेशन, सिम्पलैक्स इडस्ट्रीज आदि को स्ट्रक्चर फेब्रिकेशन का काम पहले 1000/–रुपये प्रति टन की दर मे दिया था और लोक-सभा के पिछले चुनावो के दौरान उसी काम के लिये दर बढाकर 1400/–रुपये प्रति टन कर दी गई थी ।

(ख) जी, नही ।

(ग) से (ङ) प्रश्न नही उठते ।

एच० एस० सी० एल० के प्रबन्धक

6196. **श्री वीरेन्द्र प्रसाद** क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या एच० एस० सी० एल० के प्रबन्धको ने भिलाई के स्टील स्ट्रक्चर फैब्रिकेशन के लिए 1976–77 मे मैसर्स शम्पी कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, नेशनल फेब्रिकेशन और पटेल इजीनियरिंग कम्पनी को 500 रुपये प्रति टन की दर से ठेका दिया था और उसी साल उसी काम के लिए भारत इडस्ट्रिअल वर्क्स, सीवर लाइन्स उद्योग, बी० के० स्ट्रक्चरल्स, भिलाई एजीनियरी, कम्पनी स्ट्रक्चरल्स को 950 रुपये प्रति टन के दर से दिया था और यदि हां, तो इससे एच० एस० सी० एल० को कितना घाटा हुआ और इसके लिए कौन उत्तरदायी है, और

(ख) क्या सरकार इसके लिए उत्तरदायी पाये जाने वाले व्यक्तियो के विरुद्ध कार्यवाही करेगी ?

इस्पात और खान मंत्री (श्री बीजू पटनायक) (क) जी, नही । मेसर्स शर्मा कन्स्ट्रक्शन कपनी (न कि मेसर्स शम्मी कन्स्ट्रक्शन कपनी जैसाकि प्रश्न मे कहा गया है), नेशनल फैब्रीकेशन और पटेल इजीनियरिंग कपनी नामक तीन कपनियो को दिये गये काम की तुलना भारत इडस्ट्रीयल वर्क्स तथा अन्य उल्लिखित पार्टियो को दिये गये काम से नही की जा सकती है । पहले ग्रुप के ठेकेदारो को 550/–रु० प्रति टन की दर मे हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कन्स्ट्रक्शन लिमिटेड द्वारा विकसित फैब्रीकेशन यार्ड का मुफ्त इस्तेमाल और मुफ्त बिजली देने की व्यवस्था शामिल है और सविरचित ढाचो को क्रेनो द्वारा ट्रेलरो मे लादने का काम शामिल नही है । दूसरे ठेकेदारो के लिए स्वीकृत 800/– रुपये की औसत दर मे सविरचित ढाचो को क्रेनो की सहायता से ट्रेलरो मे लादने का काम शामिल है और यार्ड के इस्तेमाल तथा मुफ्त बिजली देने की सुविधाओ की व्यवस्था नही है ।

(ख) प्रश्न नही उठता ।

Representation for upgrading the Post Office in Junagarh

6197 SHRI DHARAMSINHBHAI PATEL Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state

(a) whether several representations have been received for upgrading the Junagarh city Post Office in Gujarat State and for construction of a new building for this Post Office

(b) the action taken so far or proposed to be taken by Government in this regard; and